मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, झांसी

प्रकीर्ण वाद संख्या–१८३/२०२० (एम.ए.सी.पी.सं.५९३/२०१६)
मोहन लाल बनाम गौरीशंकर आदि
२७.११.२०२०

३बी प्रार्थनापत्र प्रार्थी/याची मोहन लाल द्वारा इस आशय से प्रस्तुत किया गया है कि उपरोक्त याचिका में न्यायाधिकरण के आदेश के अनुपालन में बीमा कम्पनी ने प्रतिकर की धनराशि दिनाँक २७.०८.२०२० को जरिये यू टी आर नं Axise No.055986220 रु.१,१०,७४२/–सिंडीकेट बैंक शाखा गोबिन्द चौराहा, झाँसी में जमा कर दी है। अतः याची ने प्रार्थना पत्र में अपने बैंक खाते का विवरण देते हुए उक्त प्रतिकर की धनराशि उसके बैंक खाते में जरिए आर.टी.जी.एस./नेफ्ट भुगतान करने की याचना की है। प्रार्थी द्वारा अपने प्रार्थनापत्र के समर्थन में स्वयं का शपथपत्र ५सी१, अपने आधार कार्ड व बैंक खाते की छाया प्रतियाँ दाखिल की गई हैं।

प्रार्थी/याची न्यायाधिकरण के समक्ष मय विद्वान अधिवक्ता वर्चुअल न्यायालय में उपस्थित आये। प्रार्थी के विद्वान अधिवक्ता को वर्चुअल न्यायालय में सुना गया व प्रस्तुत प्रकीर्ण वाद की पत्रावली व एम.ए.सी.पी. सं. ५९३/२०१६ मोहन लाल बनाम गौरीशंकर आदि की पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रार्थी ने अपने शपथपत्र ५सी१ में प्रार्थनापत्र के कथनों का समर्थन किया है तथा यह भी कथन किया गया है कि प्रस्तुत याचिका में न्यायाधिकरण के आदेश के विरूद्ध माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में कोई अपील दायर नही की गई है न ही विचाराधीन है। कार्यालय आख्या के अनुसार रु. १,१०,७४२/–याची अधिवक्ता के बताये अनुसार यू टी आर नं Axise No.055986220 द्वारा बीमा कम्पनी ने सिंडीकेट बैंक में जमा कर दिया है। उक्त एम.ए.सी.पी. सं. ५९३/२०१६ में न्यायाधिकरण द्वारा पारित निर्णय दिनाँकित ०५.०८.२०२० के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रस्तुत याचिका में ८६,७९१/– रु. मय ब्याज याची को भुगतान करने हेतु विपक्षी सं.३ बीमा कम्पनी को आदेशित किया गया है। याची को उक्त धनराशि नकद प्राप्त होनी है। अतः मेरे विचार से प्रार्थी /याची प्रतिकर की उक्त जमाशुदा धनराशि १,१०,७४२/– मय ब्याज जरिए आर.टी.जी.एस./नेफ्ट अपने बैंक खाते में नकद प्राप्त करने का अधिकारी है।

आदेश

सिंडीकेट(केनरा)बैंक शाखा गोबिन्द चौराहा, झांसी को आदेशित किया जाता है कि वह एम.ए.सी.पी.सं. ५९३/२०१६ (प्रकीर्ण वाद सं.१८३/२०२० मोहन लाल बनाम गौरीशंकर आदि) के प्रकरण में प्रार्थी मोहन लाल को जमा उक्त क्षतिपूर्ति धनराशि निम्न सारिणी के अनुसार भुगतान कर दें:–

Applicant/ petitioner	Amount in Rs.	+ (%of) Interest Accrued on Deposited Amount	Mode of Disbursment	Bank Account Number	Bank	IFSC Code
Mohan Lal	110742	100	Elect.Mode RTGS/NEFT	94200100146333	Sarva U.P.Gramin Bank Ranipur, Jhansi	PUNBOSUPGB5
Total	110742	100				

तदनुसार अनुपालन आख्या तत्काल जरिये ई–मेल एवं वाट्सएप न्यायाधिकण को प्रेषित की जाय। ३बी प्रार्थनापत्र तदनुसार निस्तारित। पत्रावली नियमानुसार दाखिल दफ्तर हो।

(चंद्रोदय कुमार)
पी.ओ., एम.ए.सी.टी., झांसी।

Digitally signed by CHANDRODAY KUMAR
Date: 2020.11.27 19:02:10 IST
Reason: PO
Location: MACT JHANSI